Shri Muzibulla Khan (Odisha), Shri Haris Beeran (Kerala), Shri Niranjan Bishi (Odisha) and Shri Sandosh Kumar P (Kerala).

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Thank you, Saket Gokhale ji. Now, Shrimati Ranjeet Ranjan. Concern over loss of natural resources due to developmental works in the mountains of the country.

Concern over loss of natural resources due to developmental works in the mountains of the country

श्रीमती रंजीत रंजन (छत्तीसगढ़): उपसभापति जी, विकास के नाम पर प्रकृति और हिमालय का जो दोहन है, वह बहुत चिंताजनक है। मैं इसके बारे में थोड़ी चर्चा करना चाहती हूं और आपके माध्यम से मंत्री साहब के संज्ञान में लाना चाहती हूं। बढ़ती लैंडस्लाइड, बादल फटना, जंगलों में आग, सूखते जल स्रोत और हिमालय क्षेत्र में मिट्टी का तेजी से कटना अत्यंत चिंताजनक है। 2013 में केदारनाथ, 2021 में ऋषि गंगा की त्रासदी, फिर जोशीमठ में मकानों का धसना, उत्तरकाशी में पिछले साल सिलक्यारा टनल का हादसा, हिमालय के जंगलों में बेकाबू आग, इस साल वायनाड, हिमाचल, उत्तराखंड में भारी तबाही और कई लोगों की मृत्यु हो जाना आदि घटनाएं हुई हैं। अभी हाल ही में बद्रीनाथ में भारी भूस्खलन हुआ, लैंडस्लाइड हुआ, जिसके कारण चार धाम यात्रा आपको रोकनी पड़ी और केदारनाथ से लोगों का रेसक्यू अभी तक चल रहा है। जलवायु परिवर्तन का प्रभाव यह नहीं है, बल्कि मैं कहूंगी कि यह मैनमेड आपदाएं हैं, जिनके बारे में हम सबको बहुत गंभीरता से चिंता करनी चाहिए। आपकी चार धाम परियोजना चल रही है, उस ओर मैं इस माध्यम से आपका ध्यान आकर्षित करना चाहती हूं कि यह अब अवैज्ञानिक अनियंत्रित मनमानी विकास नीतियों की आग में घी का काम कर रही है। यह आपदाओं को बुलाने का काम है। अभी हाल ही में एक संज्ञान आया है कि यह जो चार धाम परियोजना है, जो 900 किलोमीटर है, जिसमें मात्र 100 किलोमीटर का जो stretch है, जो भागीरथी वाला stretch है, सिर्फ वही eco-sensitive zone है, जिसको 2012 में बनाया गया था। उसमें सुप्रीम कोर्ट का भी instruction है, लेकिन वहाँ पर भी अंधाधुंध पेड़ों की कटाई का निर्णय ले लिया गया है। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी के संज्ञान में यह बात लाना चाहती हूँ कि जो eco-sensitive zone है, जो मात्र भागीरथी वाला ज़ोन है, जो गंगा का उद्गम है, वही 100 किलोमीटर है, जहाँ से गंगा अपने प्राकृतिक रास्ते से चल रही है। मैं आपके माध्यम से यह कहना चाहती हूँ कि वहाँ पर BRO द्वारा * किया जा रहा है, वहाँ पर लगभग 15 हजार पेड़ों और सबसे height पर लगभग 6.5 हजार देवदार के पेड़ों को काटने की * हो रही है, जबकि वहाँ पर अगर उस जगह के 100 किलोमीटर stretch को, जिसके 10 और 12 मीटर चौड़ीकरण की बात की जा रही है, न भी करेंगे, तो वह रास्ता डिफेंस के लिए भी और लोगों की

* Expunged as ordered by the Chair.

आवाजाही के लिए भी सुरक्षित है। हमें पहले हिमालय को बचाना है, हिमालय का बाजारीकरण नहीं करना है। हमें हिमालय को आदर से देखना है, न कि उसका commercialization करना है।

मैं आपसे आग्रह करती हूँ कि यह एक बहुत ही संवेदनशील मुद्दा है, इसके लिए next Session में Calling Attention या बड़ा discussion होना चाहिए। ...(**समय की घंटी**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by hon. Member, Shrimati Ranjeet Ranjan: Shrimati Mahua Maji (Jharkhand), Shrimati Sulata Deo (Odisha), Ms. Sushmita Dev (West Bengal), Shri P. Wilson (Tamil Nadu), Shri R. Girirajan (Tamil Nadu), Dr. Kanimozhi NVN Somu (Tamil Nadu), Dr. Sasmit Patra (Odisha), Shri Jawhar Sircar (West Bengal), Shri Akhilesh Prasad Singh (Bihar), Shrimati Jebi Mather Hisham (Kerala), Shri Prakash Chik Baraik (West Bengal), Shrimati Phulo Devi Netam (Chhattisgarh), Shrimati Priyanka Chaturvedi (Maharashtra), Shri Pramod Tiwari (Rajasthan), Shrimati Rajani Ashokrao Patil (Maharashtra), Shrimati Renuka Chawdhury (Telangana), Shrimati Mausam Noor (West Bengal), Ms. Dola Sen (West Bengal), Shri Anil Kumar Yadav Mandadi (Telangana), Shri Jose K. Mani (Kerala), Shri Sant Balbir Singh (Punjab), Dr. Fauzia Khan (Maharashtra), Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu), Shri Haris Beeran (Kerala), Shri Sandosh Kumar P (Kerala), Shrimati Jaya Amitabh Bachchan (Uttar Pradesh), Shri Saket Gokhale (West Bengal) and Shri Niranjan Bishi (Odisha).

श्री उपसभापति: धन्यवाद, श्रीमती रंजीत रंजन जी। ...(**व्यवधान**)... Your time is over. Shri C. Ve. Shanmugam; Demand to Restore Train Services which were reduced during Covid-19. ...*(Interruptions)*...

Demand to restore train services which were reduced during COVID-19 pandemic time and extend the train services in Southern Railway, Tamil Nadu

SHRI C. Ve. SHANMUGAM (Tamil Nadu): Sir, I rise to highlight the twin demand of restoration and extension of train services in Southern Railway, Tamil Nadu, particularly my own district and my town, Villupuram and Tindivanam respectively. During Covid pandemic, there were restrictions on the movement of people, and hence several trains had been cancelled. But even after the normalcy has been restored, the train services have not been restored because of which nearly 10,000 people, including elderly people, college students, daily wagers, labourers, ladies and business people are suffering untold miseries every day. Tindivanam is a major